पाठ- 3 काम सब अच्छे हैं

पाठ विश्लेषण, शब्दार्थ

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

CLASS: IV
SESSION NO : 4
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 3
TOPIC: काम सब अच्छे हैं
SUB TOPIC: पाठ विश्लेषण, शब्दार्थ

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

शिक्षण उद्देश्य

इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी विषय ज्ञान और शब्दार्थ के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

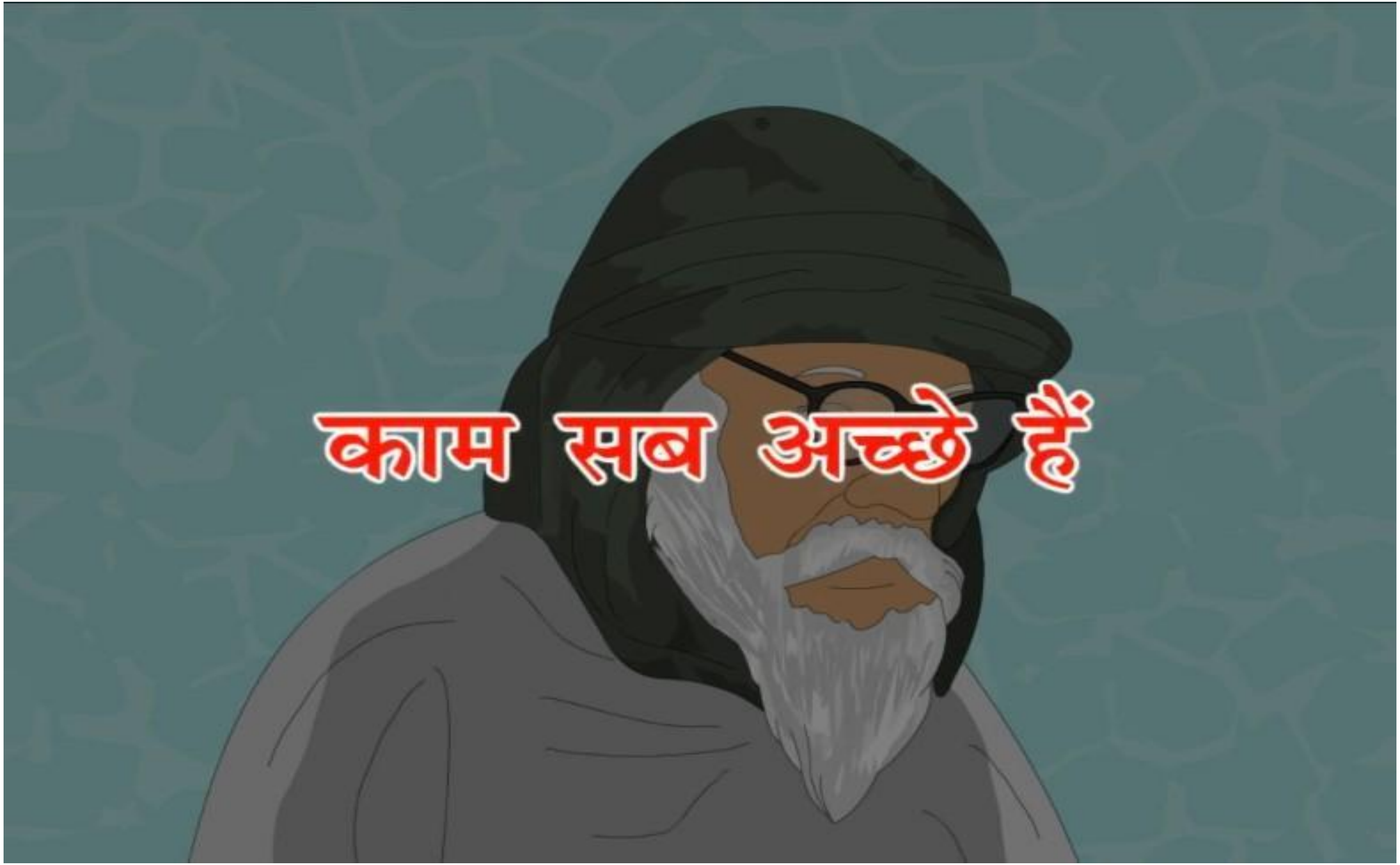

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

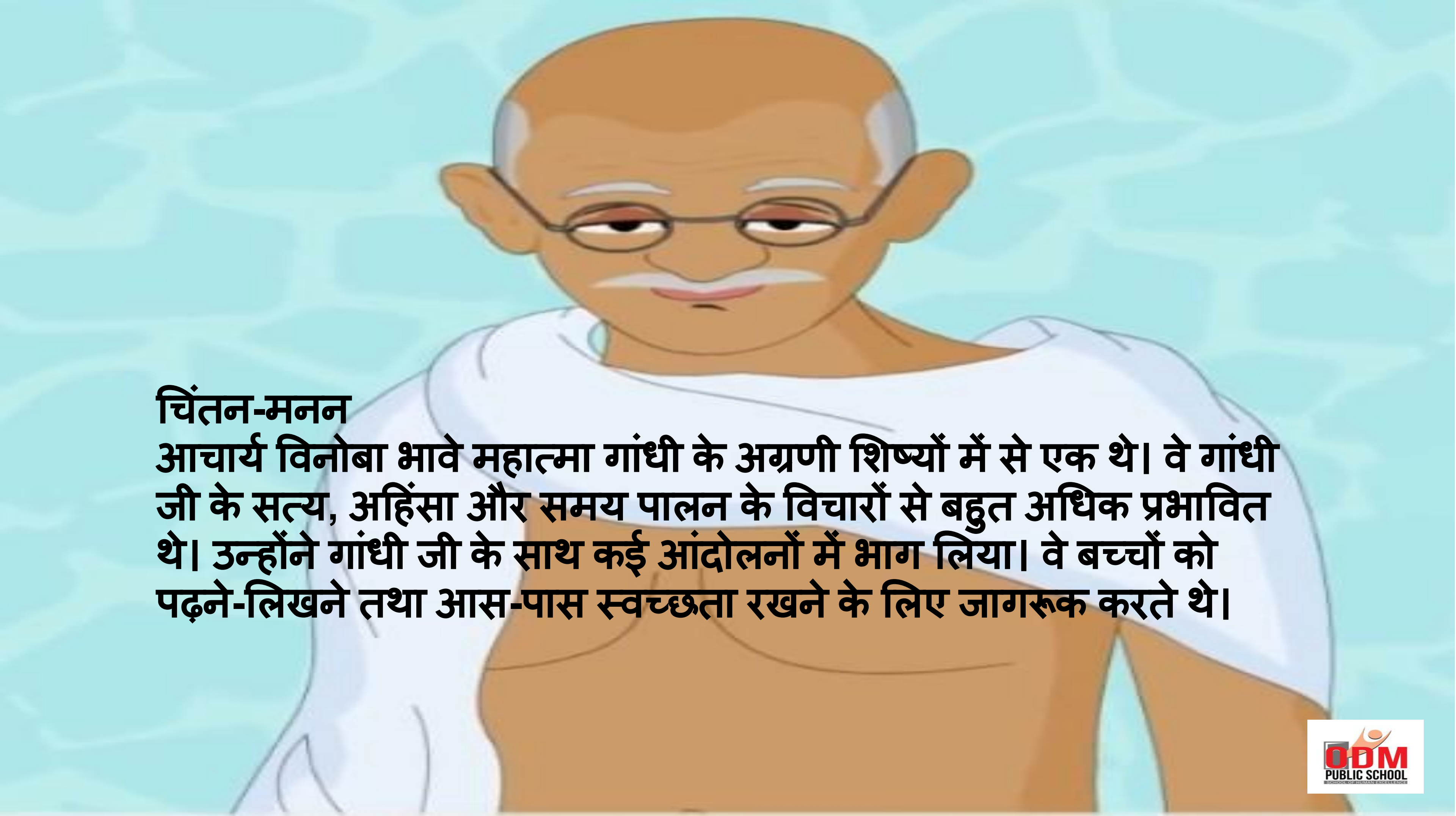

चिंतन-मनन

आचार्य विनोबा भावे महात्मा गांधी के अग्रणी शिष्यों में से एक थे। वे गांधी जी के सत्य, अहिंसा और समय पालन के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे। उन्होंने गांधी जी के साथ कई आंदोलनों में भाग लिया। वे बच्चों को पढ़ने-लिखने तथा आस-पास स्वच्छता रखने के लिए जागरूक करते थे।

ODM PUBLIC SCHOOL

विनोबा जी हमारे देश के एक महापुरुष थे। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी थे। वे गरीबों के सहायक थे। उनका भूदान यज्ञ बहुत प्रसिद्ध है। वे जमींदारों से भूमि दान में लेकर भूमिहीन किसानों को देते थे।

विनोबा जी एक बार भूदान यज्ञ के सिलसिले में यात्रा पर थे। यात्रा में वे एक गाँव पहुँचे। वहाँ की पाठशाला में वे ठहरे। उस पाठशाला में शौचालय नहीं था। बच्चे पाठशाला के आस-पास ही गंदगी करते थे इसलिए पाठशाला के आस-पास गंदगी भरी थी।

विद्यालय के पास गंदगी देखकर विनोबा जी को दुख हुआ। उन्होंने छात्रों से पूछा, "तुम्हारी पाठशाला की सफ़ाई कौन करता है?" लड़के बोले, "एक आदमी सवेरे आता है और झाड़ू लगाकर चला जाता है। "

ODM PUBLIC SCHOOL

विनोबा जी ने फिर पूछा, “गंदगी कौन करता है ? 'लड़कों ने कुछ उत्तर नहीं दिया। वे एक-दूसरे की ओर देखने लगे। तब विनोबा जी बोले, “देखो! जब गंदगी तुम करते हो, तब सफ़ाई भी तुम लोगों को ही करनी चाहिए।

"विनोबा जी की बातें सुनकर एक लड़के ने कहा, "गंदगी कौन साफ़ करेगा? हम कोई सफ़ाईवाले तो नहीं हैं। "विनोबा जी मुसकराए। लड़के को अपने पास बुलाकर प्रेम से पूछा, "जब तुम छोटे थे, तब तुम्हारे हाथ-मुँह कौन धोता था? गंदगी कौन साफ़ करता था?"लड़का बोला, "मेरी माँ। "विनोबा जी ने कहा, " अच्छा! ऐसा करने से क्या तुम्हारी माता जी सफ़ाई करने वाली हो गई ।
लड़का बोला, “जी नहीं, माँ तो माँ है। "विनोबा जी बोले, "हाँ। जो गंदगी साफ़ करता है, वह सचमुच माँ का ही काम करता है। काम सब अच्छे हैं।"

ODM PUBLIC SCHOOL

शब्दार्थ

अनुयायी - अनुसरण करने वाला
भूदान - भूमि का दान
सिलसिले – क्रम
छात्र - विद्‌यार्थी
महापुरुष - बहुत बड़ा तथा उच्च विचारोंवाला व्यक्ति
प्रसिद्‌ध - मशहूर

ODM PUBLIC SCHOOL

गृहकार्य

पाठ अभ्यास करें।

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

शिक्षण प्रतिफल

बच्चे विषय ज्ञान तथा शब्दार्थ
के बारे में जानकारी प्राप्त किए

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP